

\*ॐ\*

~~~~~

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय- हिन्दी

दिनांक-03-01-2021 लहासा की ओर

॥ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ॥

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

प्रश्नोत्तर

8. सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

उत्तर:

सुमति की चारित्रिक विशेषताएँ -

- (1) सुमति व्यवहार कुशल व्यक्ति थे।
- (2) उनका व्यवहार सबसे मित्रतापूर्ण था।
- (3) वे जहाँ भी जाते थे वहीं अपने अच्छे स्वभाव के कारण मित्र बना लेते थे।

(4) अलग-अलग जगहों पर घूमना उन्हें ज़्यादा पसंद था।

(5) वे एक से अधिक बार तिब्बत आ चुके थे और वहाँ के हर एक गाँव से भली-भाँति परिचित थे।

**प्रश्न 9:**

‘हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था।’ -उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।

**उत्तर:**

बहुत हद तक वेश-भूषा हमारे आचार-व्यवहार से सम्बन्धित होती है। वेश-भूषा मनुष्य के व्यक्तित्व को दर्शाती है। उदाहरण के तौर पर साधु-संत को देखकर उनका सात्विक रूप हमारे सामने उभरता है। उसी प्रकार एक भिखमंगे की वेश-भूषा देखने पर उसकी आर्थिक विपणता सामने आती है।

**प्रश्न 10:**

यात्रा-वृत्तांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द-चित्र प्रस्तुत करें। वहाँ की स्थिति आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?

**उत्तर:**

तिब्बत एक पहाड़ी प्रदेश है। यहाँ बरफ़ पड़ती है। इसकी सीमा हिमालय पर्वत से शुरू होती है। डॉंडे के ऊपर से समुद्र तल की गहराई लगभग 17-18 हजार फीट है। पूरब से पश्चिम की ओर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर दिखते हैं। भीटे की ओर दीखने वाले पहाड़ों पर न तो बरफ़ की सफ़ेदी थी, न किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ पत्थरों का ढेर था।

**प्रश्न 11:**

आपने भी किसी स्थान की यात्रा अवश्य की होगी? यात्रा के दौरान हुए अनुभवों को लिखकर प्रस्तुत करें।

**उत्तर:**

इस प्रश्न का उत्तर अपने अनुभवों के आधार पर दें।

**प्रश्न 12:**

यात्रा-वृत्तांत गद्य साहित्य की एक विधा है। आपकी इस पाठ्यपुस्तक में कौन-कौन सी विधाएँ हैं? प्रस्तुत विधा उनसे किन मायनों में अलग है?

**उत्तर:**

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में “महादेवी वर्मा” द्वारा रचित “मेरे बचपन के दिन” संस्मरण है। संस्मरण भी गद्य साहित्य की एक विधा है। इसमें लेखिका के बचपन की यादों का एक अंश प्रस्तुत किया गया है।

यात्रा वृत्तांत तथा संस्मरण दोनों ही गद्य साहित्य की विधाएँ हैं जोकि एक दूसरे से भिन्न हैं। यात्रा वृत्तांत किसी एक क्षेत्र की यात्रा के अपने अनुभवों पर आधारित है तथा संस्मरण जीवन के किसी व्यक्ति विशेष या किसी खास स्थान की स्मृति पर आधारित है। संस्मरण का क्षेत्र यात्रा वृत्तांत से अधिक व्यापक है।

**प्रश्न 13:**

किसी भी बात को अनेक प्रकार से कहा जा सकता है, जैसे -

सुबह होने से पहले हम गाँव में थे।

पौ फटने वाली थी कि हम गाँव में थे।

तारों की छाँव रहते-रहते हम गाँव पहुँच गए।

नीचे दिए गए वाक्य को अलग-अलग तरीके से लिखिए -

‘जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।’

उत्तर:

(1) जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे है या मैं आगे।

(2) समझ में नहीं आ रहा था कि घोड़ा मेरे आगे है या पीछे।

(3) समझ में नहीं आ रहा है कि घोड़ा कहा गया?

प्रश्न 14:

ऐसे शब्द जो किसी ‘अंचल’ यानी क्षेत्र विशेष में प्रयुक्त होते हैं उन्हें आंचलिक शब्द कहा जाता है। प्रस्तुत पाठ में से आंचलिक शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर:

**आंचलिक शब्द –**

(1) कुची-कुची (दया-दया)

(2) थुक्पा

प्रश्न 15:

पाठ में कागज़, अक्षर, मैदान के आगे क्रमशः मोटे, अच्छे और विशाल शब्दों का प्रयोग हुआ है। इन शब्दों से उनकी विशेषता उभर कर आती है। पाठ में से कुछ ऐसे ही और शब्द छाँटिए जो किसी की विशेषता बता रहे हों।

उत्तर:

(1) खुफिया विभाग

(2) अच्छी तरह

(3) श्वेत शिखर

धन्यवाद

कुमारी पिकी 'कुसुम'

